Antarvasna
अन्तर्वासना

जिस्मानी रिश्तों की चाह -13

“जब आपी ने देखा तो उनकी ब्रा मेरे बायें हाथ में थी और मैं कप के अन्दर ज़ुबान फेर रहा था। मैंने आपी को देखा लेकिन अब मैं अपनी मंज़िल के बहुत क़रीब था इसलिए अपने हाथ को रोक नहीं सकता था। ...”

Story By: zooza ji (zoozaji)
Posted: सोमवार, जून 27th, 2016
Categories: भाई बहन
Online version: जिस्मानी रिश्तों की चाह -13

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

जिस्मानी रिश्तों की चाह -13

सम्पादक जूजा
अब तक आपने पढ़ा..

अगले दिन सुबह नाश्ते के मेज पर ही आपी सिर्फ़ गाउन में मेरे सामने थी, और हालात पिछली शाम वाले ही थे।
मैंने आपी का हुलिया देखते हुए कहा- आपी, अम्मी और अब्बू घर में ही हैं ना ?
'हाँ.. सो रहे हैं अभी दोनों..' आपी ने चाय की घूंट भरते हुये लापरवाही से जवाब दिया।

मैंने भी चाय की आखरी घूंट भरते हुये आपी के मम्मों पर एक भरपूर नजर डाली और ठण्डी आह भरते हुए उठ खड़ा हुआ।

अब आगे..

दरवाज़े की तरफ रुख़ मोड़ते हुए मैंने आपी से कहा- आप चेंज कर लो.. अम्मी-अब्बू के उठने से पहले पहले। मैं नहीं चाहता कि वो आपको इस हुलिये में देखें.. आपकी इज़्ज़त मुझे अपनी जान से भी ज्यादा अज़ीज़ है।

उन्होंने एक मुहब्बत भरी नज़र मुझ पर डाली और शैतानी सी मुस्कुराहट के साथ कहा- मैं तुम्हारी रग-रग से वाक़िफ़ हूँ.. सगीर तुम्हें ये टेन्शन नहीं कि वो मुझे इस हुलिया में देखें.. बल्कि तुम्हें ये फिकर है कि अगर अम्मी-अब्बू को पता चला कि मैं तुम्हारे सामने इस हालत में थी.. तो शायद आइन्दा के लिए तुम्हारी नजरें मेरे इस हुलिया से महरूम हो जाएँगी।

शायद यह सच ही था.. इसलिए मेरे मुँह से जवाब में कुछ नहीं निकल सका और बोझिल

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

से कदमों से मैं बाहर की तरफ चल पड़ा।
आज कॉलेज जाने का बिल्कुल मन नहीं था। आज बहुत दिन बाद मेरे लण्ड में सनसनाहट हो रही थी और जी चाह रहा था कि आज पानी निकालूँ।

मैं गेट तक पहुँचा ही था कि आपी की आवाज़ आई- सगीर..
मैं दरवाज़ा खोल चुका था.. इसलिए घर से बाहर निकल कर मैंने पूछा- जी आपी ?

वो दरवाज़े के पास आकर बोलीं- 111 पूरी हो चुकी हैं.. अब न्यू का इंतज़ाम कर दो।
कह कर उन्होंने दरवाज़ा बंद कर दिया।

मैं सनाका खाए हुए की कैफियत में दरवाज़े के बाहर खड़ा था। अभी मेरी बेहद हया वाली बहन ने मुझसे न्यू ट्रिपल एक्स फिल्म के लिए कहा था।
मेरा लण्ड पैंट में तन गया था।

मैं उसी वक़्त अपने दोस्त के पास गया और उससे 3 न्यू सीडीज़ लीं और इतना टाइम बाहर ही गुज़ारा कि अब्बू अपने ऑफिस चले जाएँ और फिर कॉलेज के बजाए घर वापस आ गया।

अब्बू ऑफिस जा चुके थे और अम्मी के पास खाला बैठी थीं, मैंने उन्हें सलाम किया और अपने कमरे की तरफ चल दिया।
मैंने अपने कमरे का दरवाज़ा खोलना चाहा तो वो अन्दर से लॉक था। मुझे उम्मीद नहीं थी कि आपी अन्दर हैं.. इसलिए ज़रा ज़ोर से हैण्डल घुमाया था जिससे आवाज़ भी पैदा हुई और आपी को भी पता चल गया था कि बाहर कोई है।

कुछ ही देर बाद आपी ने दरवाज़ा खोला, स्कार्फ उसी तरह बाँध रखा था, गुलाबी क़मीज़ पहनी थी और काली सलवार और काला ही दुपट्टा था.. जो कंधे पर इस तरह डाला हुआ

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

था कि उनका एक दूध बिल्कुल छुप गया था और दूसरा दूध खुला था।
गुलाबी क़मीज़ में निप्पल की जगह बिल्कुल काली नज़र आ रही थी और निप्पल तना होने की वजह से साफ महसूस हो रहा था।

उनके गुलाबी गाल जो उत्तेजना की शिद्दत से मज़ीद गुलाबी हो रहे थे.. वे पिंक क़मीज़ के साथ बहुत मैच कर रहे थे। उनकी बड़ी सी काली आँखों में लाली उतरी हुई थी।

अपनी बहन को ऐसे देख कर फ़ौरन ही मेरे लण्ड में जान पैदा हो गई और वो बाहर आने के लिए फनफनाने लगा।

आपी ने बाहर आते हुए कहा- आज तुम जल्दी आ गए हो।
और सीढ़ियों की तरफ चल दीं।

'जी आज मन नहीं कर रहा था कॉलेज जाने को इसलिए वापस आ गया।'
मैंने आपी की बैक को देखते हुए अपने लण्ड को टाँगों के दरमियान दबाया और जवाब दिया।

आपी ने पहली सीढ़ी पर क़दम रखा ही था कि मैंने आवाज़ दी- आपी..
उन्होंने वहीं खड़े-खड़े ही चेहरा मेरी तरफ घुमा कर कहा- हम्म ?
मैंने 3 सीडीज उनको शो करते हुए कहा- 114..

आपी के चेहरे पर खुशी और एक्साइटमेंट साफ नज़र आ रहा था। उनकी आँखों में अजीब सी चमक पैदा हुई.. उन्होंने मुस्कुरा कर मेरी आँखों में देखा.. और नीचे उतर गईं।

मैं फ़ौरन ही कमरे में दाखिल हुआ और अपनी पैन्ट उतार कर एक तरफ फैंकी और लण्ड को हाथ में थाम कर कंप्यूटर के सामने बैठ गया। सीडी ऑन करने से पहले मुझे ख़याल आया कि ज़रा देखूं आपी क्या देख रही थीं।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैंने मीडिया प्लेयर में से रीसेंट्ली प्लेड मूवीज क्लिक किया.. तो उससे देखते ही मेरे चेहरे पर बेसाख्ता मुस्कुराहट फैल गई। वो एक 'गे' मूवी थी.. जो आपी देख रही थीं।

मैंने न्यू सीडी लगाई और अपने लण्ड को मुट्ठी में लेकर हाथ आगे-पीछे करने लगा। आज बहुत दिन बाद ये अमल कर रहा था.. इसलिए बहुत ज्यादा मज़ा आ रहा था और बार-बार मूवी की हीरोइन की जगह मेरी सग़ी बहन मेरी आपी का चेहरा मेरे सामने आ जाता।
जब मूवी में लड़की के मम्मों का क्लोज़ लिया जाता तो मुझे मेरी पाकीज़ा बहन के दूध याद आ जाते।

ऐसे ही मूवी चल रही थी और मैं अपने लण्ड को हिला-हिला कर अपने आपको मंज़िल तक पहुँचाने की कोशिश कर रहा था।
अचानक मैंने देखा कि एक गुलाबी ब्रा कंप्यूटर टेबल के नीचे पड़ी हुई थी।

शायद मेरी आपी ने मूवी देखते हुए इसे उतार फैंका था और फिर जाते हुए जल्दी में उन्हें उठाना याद ही नहीं रहा।
बरहराल.. मैंने स्क्रीन पर ही नज़र जमाए-जमाए हाथ बढ़ा कर ब्रा को उठाया..

पहली चीज़ जो मैंने नोटिस की वो एक छोटा सा वाइट टैग था.. जिस पर 36डी लिखा हुआ था। जब मैं उस टैग पर लिखे डिजिट पढ़ने के लिए ब्रा को अपनी आँखों के क़रीब लाया.. तो एक माशूर कन खुशबू के झोंके ने मेरा इस्तकबाल किया।

अजीब सी बात थी उस खुशबू में.. जो शायद अल्फ़ाज़ में बयान नहीं की जा सकती.. सिर्फ़ महसूस की जा सकती है। महसूस भी आप उसी वक़्त कर सकते हैं जब ब्रा हाथ में हो। ब्रा भी ऐसी जो चंद लम्हों पहले ही जिस्म से अलग हुई हो और ब्रा भी अपनी सग़ी बहन की हो.. उफफ्फ़.. क्या अहसास था।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैंने ब्रा में से अपनी सग़ी बहन के जिस्म की खुश्बू को एक तेज सांस के साथ अपने अन्दर उतारी.. तो मेरी आँखें बंद हो चुकी थीं और मेरा हाथ मेरे लण्ड पर बहुत तेज-तेज चलने लगा था। मैंने आपी की ब्रा के कप को अपने मुँह और नाक पर मास्क की तरह रखते हुए आँखें बंद कर लीं और चंद गहरी-गहरी

साँसों के साथ उस कामुक महक को अपने अन्दर उतारने लगा।

फिर मैंने अपनी ज़ुबान को बाहर निकाला और आपी की ब्रा के कप में पूरी तरह ज़ुबान फेरने के बाद ब्रा के अन्दर के उस हिस्से को चूसने लगा.. जहाँ मेरी सग़ी बहन के निपल्स टच रहते हैं। मेरा मुँह नमकीन हो चुका था.. शायद वो आपी के उभारों का खुश्क (ड्राइ) पसीना था.. जो अब मेरे मुँह में नमक घोल रहा था।

मैं पागलों की तरह आपी की ब्रा को अपने चेहरे पर रगड़ रहा था। कभी चूसने लगता.. कभी चाटने लगता और तेज-तेज अपने हाथ को अपने लण्ड पर आगे-पीछे कर रहा था।

अजीब सी हालत थी मेरी.. मेरी हालत का अंदाज़ा आपको उसी वक़्त हो सकता है.. जब आपके हाथ में आपकी अपनी सग़ी बहन का इस्तेमाल शुदा ब्रा हो और आप उसे चूम और चाट रहे हों.. और अपनी सग़ी बहन के जिस्म की खुशबू आपको उसकी याद दिला रही हो।

अचानक आपी ने दरवाज़ा खोला और अन्दर का मंज़र देख कर उनका मुँह खुल गया और वो जैसे जम सी गईं।
वो अपनी ब्रा लेने ही वापस आई थीं.. लेकिन उन्हें जो देखने को मिला.. वो उनके वहमो-गुमान में भी नहीं था।
यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

जब आपी ने देखा तो उनकी ब्रा मेरे बायें हाथ में थी और मैं कप के अन्दर ज़ुबान फेर रहा

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

था। मैंने आपी को देखा लेकिन अब मैं अपनी मंज़िल के बहुत क़रीब था इसलिए अपने हाथ को रोक नहीं सकता था।

वैसे भी आपी मुझे काफ़ी बार इस हालत में देख ही चुकी थीं.. तो अब छुपाने को था ही क्या।

आपी को देख कर मैंने ब्रा वाला हाथ नीचे किया और ब्रा समेत अपने लेफ्ट घुटने पर रख लिया और सीधे हाथ से लण्ड को हिलाना जारी रखा।

'उफ़फ़्फ़ मेरे खुदा.. तुम जानते हो कि तुम बेमर इंसान हो.. लाओ मुझे वापस करो मेरी ब्रा..' उन्होंने अपने माथे पर हाथ मारते हुए चिल्ला कर कहा।

'यहाँ आकर ले लें.. आप देख रही हो कि मैं बिजी हूँ..' मैंने अपने लण्ड पर तेज-तेज हाथ चलाते हुए.. उन पर एक नज़र डालने के बाद वापस स्क्रीन पर नजरें जमाए हुए कहा।

उनका चेहरा लाल हो चुका था.. लेकिन मैंने महसूस किया था कि गुस्से के साथ ही उनकी आँखों में वैसी ही चमक पैदा हो गई थी.. जैसी उस वक़्त न्यू सीडीज़ की खबर सुन कर हुई थी।

आपी मेरे राईट साइड पर आईं और मेरे हाथ से अपना ब्रा खींचने की कोशिश की और एक भरपूर नज़र मेरे लण्ड पर भी डाली। मेरे लण्ड से जूस निकलने ही वाला था और मैं चाहता था कि वो इसे निकलते हुए देखें।

इसलिए मैंने उनकी ब्रा पकड़े हुए हाथ को 2-3 बार झटका दिया और जैसे ही मेरा लण्ड पिचकारी मारने वाला था.. मैंने ब्रा वाला हाथ लण्ड के क़रीब एक लम्हें को रोका और फ़ौरन आपी ने ब्रा को पकड़ लिया..
और इसी वक़्त मेरे मुँह से एक 'अहह..' निकली और मेरे लण्ड ने गर्म गर्म लावा फेंकना

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

शुरू कर दिया।

काफ़ी सारे क़तरे आपी के नर्मो नाज़ुक हाथ और खूबसूरत बाज़ू पर भी गिरे।

'एववववव.. तुमम.. खबीस शख्स.. ये क्या किया तुमने.. गंदे..'

उन्होंने अपना हाथ मेरी शर्ट से रगड़ कर साफ किया और भागती हुई कमरे से बाहर निकल गईं।

एक-डेढ़ घंटा आराम करने के बाद मैं दोबारा उठा और कंप्यूटर कुर्सी संभालते हुए मूवी स्टार्ट की।
अभी लण्ड को हाथ में पकड़ा ही था कि आपी दोबारा अन्दर दाखिल हुईं।

'या खुदा.. तुम क्या सारा दिन ये ही करते रहोगे ?'

यह कहानी एक लड़के सगीर की जुबानी है.. वाकयी बहुत ही रूमानियत से भरे हुए वाकियात हैं इस कहानी में.. आपसे गुज़ारिश है कि अपने ख़्यालात कहानी के नीचे अवश्य लिखें।

कहानी जारी रहेगी।
avzooza@gmail.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Wahed

URL: www.wahedsex.com/ **Average traffic per day:** 80 000 GA sessions **Site language:** Arabic **Site type:** Story **Target country:** Arab countries The largest library of hot Arabic sex stories that contains the most beautiful diverse sexual stories written in Arabic.

Tamil Kamaveri

URL: www.tamilkamaveri.com **Average traffic per day:** 113 000 GA sessions **Site language:** Tamil **Site type:** Story **Target country:** India Daily updating at least 5 hot sex stories in Tamil language.

FSI Blog

URL: www.freesexyindians.com **Average traffic per day:** 60 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Mixed **Target country:** India Serving since early 2000's we are one of India's oldest and favorite porn site to browse tons of XXX Indian sex videos, photos and stories.

Indian Sex Stories

www.indiansexstories.net **Average traffic per day:** 446 000 GA sessions **Site language:** English and Desi **Site type:** Story **Target country:** India The biggest Indian sex story site with more than 40 000 user submitted sex stories.

Antarvasna Hindi Stories

URL: www.antarvasnahindistories.com **Average traffic per day:** New site **Site language:** Hindi **Site type:** Story **Target country:** India Antarvasna Hindi Sex stories gives you daily updated sex stories.

Kama Kathalu

URL: www.kamakathalu.com **Average traffic per day:** 27 000 GA sessions **Site language:** Telugu **Site type:** Story **Target country:** India Daily updated Telugu sex stories.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire